

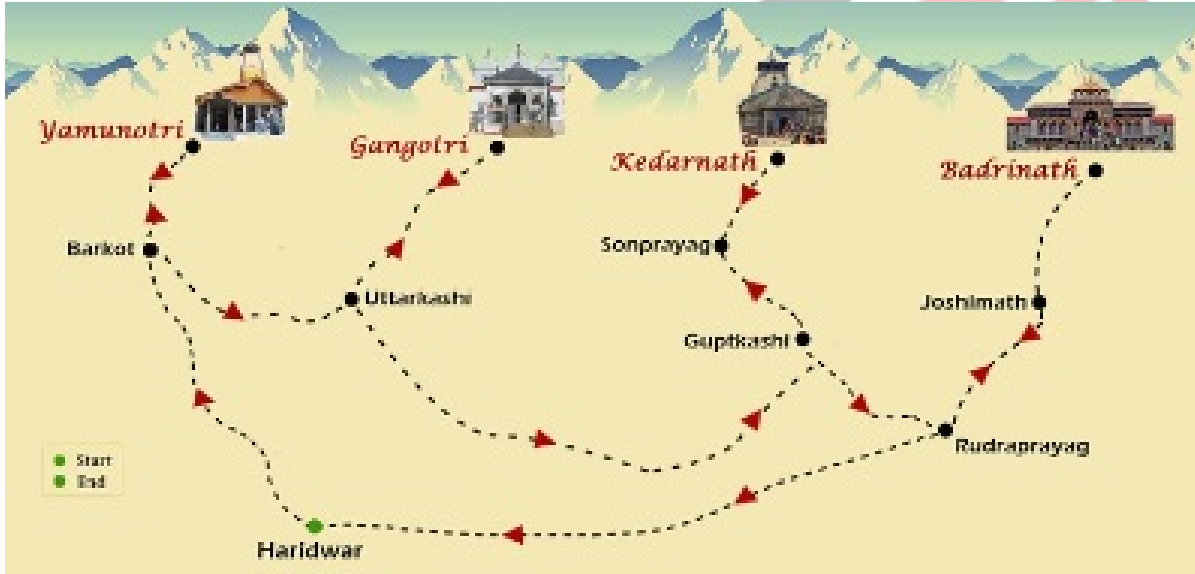
चारधाम यात्रा

चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग के अनुसार, 'चारधाम यात्रा' के लिये पर्यटन विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है।

मुख्य बट्टि:

- उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा में चार मंदिरों, **बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री** के दर्शन शामिल हैं।
- चारधाम यात्रा हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्त्व रखती है। यह यात्रा सामान्यतः **अप्रैल/मई से अक्टूबर/नवंबर** तक होती है।



चारधाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
 - समर्पति: देवी यमुना।
 - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
 - स्थान: उत्तरकाशी ज़िला।
 - समर्पति: देवी गंगा।
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
 - स्थान: रुद्रप्रयाग ज़िला।
 - समर्पति: भगवान शिव।
 - मंदाकनी नदी के तट पर स्थित है।
 - भारत में 12 ज्योतिरलिंगों (भगवान शिव के दैविय प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
 - स्थान: चमोली ज़िला।

- पवतिर बदरीनारायण मंदरि का स्थान ।
- समरपति: भगवान वशिणु ।
- वैषणवों के पवतिर तीरथस्थलों में से एक ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/char-dham-yatra-2>

